चिकित्सीय आपातकाल/एम्बुलेंस सेवा के लिए कृपया 112 पर डायल करें।

अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 211 | श्री विजय पुरम, शुक्रवार, 07 अगस्त 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रुपए

अण्डमान तथा निकोबार में भू–तापीय ऊर्जा विकास के लिए एसईसीआई ने अभिरुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की

पृष्ठभूमि एवं संदर्भ

सौर ऊर्जा निगम भारत लिमिटेड (एसईसीआई) ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह संघ राज्य क्षेत्र में भू–तापीय ऊर्जा संसाधनों के आकलन एवं विकास के लिए आधिकारिक रूप से अभिरुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित की है। यह पहल देश के दूरस्थ द्वीपीय क्षेत्रों में ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की व्यापक राष्ट्रीय रणनीति का हिस्सा है, जहाँ वर्तमान में बिजली उत्पादन के लिए महंगे एवं प्रदूषणकारी डीज़ल आधारित संयंत्रों पर अत्यधिक निर्भरता है। भू–तापीय ऊर्जा की संभावनाओं का उपयोग कर सरकार का उद्देश्य मौसम की परिस्थितियों से स्वतंत्र, चौबीसों घंटे उपलब्ध रहने वाली स्थिर आधारभूत विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

मुख्य विवरण

इस ईओआई का मुख्य उद्देश्य अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में संभावित भू–तापीय स्थलों की पहचान करना तथा बड़े पैमाने पर विद्युत उत्पादन की व्यवहार्यता का आकलन करना है। इच्छुक पक्षों के लिए आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 18 सितंबर, 2026 निर्धारित की गई है। यद्यपि इस प्रारंभिक चरण में परियोजना की प्रस्तावित क्षमता का खुलासा नहीं किया गया है, फिर भी यह पहल भारत की नवीकरणीय ऊर्जा खोज में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का संकेत देती है, जिसके अंतर्गत उच्च संभावनाओं वाली विशिष्ट प्रौद्योगिकियों की ओर कदम बढ़ाया जा रहा है। अपनी विशिष्ट भू–वैज्ञानिक स्थिति के कारण अण्डमान तथा निकोबार क्षेत्र भू–तापीय ऊर्जा अन्वेषण के लिए अत्यंत संभावनाशील माना जाता है, जबकि भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में यह अभी तक अपेक्षाकृत कम विकसित क्षेत्र है।

ईपीसी कंपनियों एवं विकासकर्ताओं के लिए महत्व

ईपीसी ठेकेदारों तथा नवीकरणीय ऊर्जा विकासकर्ताओं के लिए यह ईओआई ऊर्जा क्षेत्र के एक विशेषीकृत खंड में प्रवेश का अवसर प्रदान करती है। भू–तापीय परियोजनाओं के लिए गहरी तकनीकी विशेषज्ञता, ड्रिलिंग, भंडार अभियांत्रिकी तथा विद्युत संयंत्र एकीकरण का अनुभव आवश्यक होता है। अंतरराष्ट्रीय भू–तापीय परियोजनाओं में अनुभव रखने वाले अथवा अपने कार्यक्षेत्र का विस्तार करने के इच्छुक विकासकर्ताओं के लिए यह सरकार समर्थित पायलट परियोजना में अपनी उपस्थिति स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। यदि संसाधनों का आकलन सफल रहता है, तो भविष्य में संयंत्र निर्माण तथा दीर्घकालिक संचालन एवं अनुरक्षण (ओ एंड एम) सेवाओं से संबंधित ईपीसी अनुबंधों का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

आगे की प्रक्रिया

18 सितंबर, 2026 तक ईओआई प्राप्त होने के बाद एसईसीआई द्वारा आवेदकों की तकनीकी क्षमता का मूल्यांकन किए जाने की संभावना है। इसके पश्चात अगले चरण में विस्तृत स्थल सर्वेक्षण कराए जाएंगे तथा अन्वेषणात्मक ड्रिलिंग एवं पायलट संयंत्र विकास के लिए औपचारिक प्रस्ताव आमंत्रण (आरएफपी) जारी किए जाने की संभावना है। भारत जैसे–जैसे अपने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र का विस्तार कर रहा है, विशेष रूप से ग्रिड से दूर स्थित एवं द्वीपीय क्षेत्रों के लिए, जहाँ निरंतर एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति की आवश्यकता होती है, वहाँ भू–तापीय ऊर्जा का समावेश देश के शुद्ध–शून्य (नेट–ज़ीरो) लक्ष्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। (स्रोतः https://www.mvapulse.com/)

रैम्प पर्यटन हस्तक्षेप 2026–27 के अंतर्गत आवेदन आमंत्रित

श्री विजय पुरम, 6 अगस्त। अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के पर्यटन निदेशालय ने राइजिंग एंड एक्सेलेरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (रैम्प) पर्यटन हस्तक्षेप, 2026–27 के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने के लिए पात्र सूक्ष्म, लघु एवं मझौले उद्यमों (एमएसएमई), होमस्टे मालिकों/कर्मचारियों तथा व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह योजना अधिसूचना संख्या 242/2026 दिनांक 5 अगस्त, 2026 के माध्यम से अण्डमान तथा निकोबार राजपत्र (असाधारण) संख्या–243 में अधिसूचित की गई है तथा 6 अगस्त, 2026 के डेली टेलीग्राम समाचार पत्र में भी प्रकाशित की गई है। इसके अंतर्गत निम्नलिखित योजनाएं शामिल हैं:

1. गुणवत्तापूर्ण एवं सतत पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में होमस्टे कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण, प्रमाणन एवं अध्ययन भ्रमण कार्यक्रम।
2. खगोलीय पर्यटन उपकरणों की खरीद के लिए एमएसएमई सहायता के माध्यम से अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में खगोलीय पर्यटन को बढ़ावा देना।

निर्धारित आवेदन–पत्र, आवश्यक दस्तावेज़ों की सूची तथा विस्तृत दिशा–निर्देश ई–राजपत्र पोर्टल http://andssw1.and.nic.in/doip/index.php/home/srchgazette (राजपत्र संख्या–243, दिनांक 05.08.2026) पर उपलब्ध हैं।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस पहल के अंतर्गत चयनित लाभार्थी आवश्यक खगोलीय पर्यटन उपकरण/दूरबीन खरीद कर अनुदान की प्रतिपूर्ति हेतु दावा प्रस्तुत कर सकते हैं, जबकि होमस्टे संचालक/कर्मचारी विभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होमस्टे के अध्ययन भ्रमण में भाग ले सकेंगे।

इस संबंध में लाभार्थियों की सुविधा के लिए पर्यटन विभाग द्वारा पंजीकरण एवं सुविधा शिविर आयोजित किया जाएगा। योजना के अंतर्गत सहायता प्राप्त करने हेतु सुविधा शिविर में भाग लेने के इच्छुक लाभार्थियों से रुचि/सहमति पत्र आमंत्रित किए गए हैं। निर्धारित प्रारूप में सहमति पत्र योजना शाखा, पर्यटन निदेशालय, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन में 20 अगस्त, 2026 को सायं 5 बजे तक जमा किया जा सकता है।

शेष पृष्ठ 4 पर

वीवीआईपी दौरे के मद्देनज़र अस्थायी यातायात व्यवस्था लागू

श्री विजय पुरम, 6 अगस्त

श्री विजय पुरम में आगामी अति विशिष्ट व्यक्ति (वीवीआईपी) के दौरे के मद्देनज़र वीवीआईपी काफिले के सुरक्षित, संरक्षित एवं सुचारु आवागमन को सुनिश्चित करने के लिए नीचे दर्शाए गए मार्गों एवं समय के अनुसार अस्थायी यातायात व्यवस्था लागू रहेगी।

यातायात व्यवस्था का कार्यक्रम

8 अगस्त 2026 (शनिवार)

समयः
- दोपहर 12 बजे से दोपहर 2 बजे तक
- दोपहर 2.30 बजे से शाम 7 बजे तक

प्रभावित मार्गः
- वीआईपी रोड
- सेल्यूलर जेल रोड

9 अगस्त 2026 (रविवार)

समयः
- सुबह 7.30 बजे से सुबह 11.45 बजे तक
- दोपहर 12.30 बजे से शाम 6 बजे तक

प्रभावित मार्गः
- मरीना पार्क रोड (फ्लैग प्वाइंट तक)
- वीआईपी रोड
- डॉलीगंज रोड (डीब्राइट तक)
- फीनिक्स बे जेटी रोड

जन परामर्श

आम जनता से अनुरोध है कि वे निर्धारित समय के दौरान उपर्युक्त मार्गों का उपयोग करने से बचें तथा जहाँ संभव हो, असुविधा को कम करने एवं यातायात के सुचारु संचालन के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें।

उक्त अवधि के दौरान एम्बुलेंस एवं अग्निशमन वाहनों सहित सभी आपातकालीन वाहनों को विनियमित मार्गों पर आवागमन की अनुमति रहेगी। नागरिकों से अनुरोध है कि वे यातायात पुलिस का सहयोग करें तथा ड्यूटी पर तैनात यातायात कर्मियों के निर्देशों का पालन करें।

यातायात संबंधी किसी भी सहायता अथवा वैकल्पिक मार्गों की जानकारी के लिए आम जनता निम्नलिखित पर संपर्क कर सकती है–

- यातायात नियंत्रण कक्षः 03192–243812
- व्हाट्सएप हेल्पलाइनः 9531892228

दक्षिण अण्डमान ज़िला के ज़िलाधीश द्वारा जारी विज्ञप्ति में ज़िला प्रशासन ने सभी निवासियों एवं यात्रियों से वीवीआईपी दौरे के सफल आयोजन हेतु सहयोग एवं समझदारी बनाए रखने की अपील की है।

सेल्यूलर जेल में 8 अगस्त को दिन के समय भ्रमण का समय बदला

श्री विजय पुरम, 6 अगस्त

प्रशासनिक कारणों से 8 अगस्त, 2026 (शनिवार) को राष्ट्रीय स्मारक सेल्यूलर जेल पर्यटकों एवं आम जनता के लिए दिन के समय भ्रमण हेतु केवल सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक ही खुला रहेगा। कला एवं संस्कृति निदेशक द्वारा जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

किसानों से 31 अगस्त तक पंजीकरण कराने की अपील

श्री विजय पुरम, 6 अगस्त

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) भारत सरकार की प्रमुख योजनाओं में से एक है। इस योजना का क्रियान्वयन इन द्वीपों में वर्ष 2016 से किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत पंजीकृत किसानों को सूखा, वर्षा का अभाव, बाढ़, जलभराव, कीट एवं रोग, भूस्खलन, प्राकृतिक आग, वज्रपात, आंधी, ओलावृष्टि, चक्रवात, टाइफून, तूफान, हरिकेन तथा टॉरनेडो आदि जैसी अप्रत्याशित प्राकृतिक घटनाओं से होने वाली फसल क्षति पर बीमा सुरक्षा प्रदान की जाती है। यह योजना कृषि क्षेत्र में ऋण प्रवाह सुनिश्चित करने तथा किसानों की आय को स्थिर बनाए रखने में भी सहायक है।

खरीफ–2026 मौसम के लिए इस केंद्र शासित प्रदेश के तीनों ज़िलों में धान को अधिसूचित फसल घोषित किया गया है। खरीफ–2026 के लिए सभी अधिसूचित फसलों का क्षतिपूर्ति स्तर 80 प्रतिशत निर्धारित किया गया है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत पंजीकृत सभी ऋणी एवं गैर–ऋणी किसान योजना के लाभ के पात्र होंगे। किसानों को किसी प्रकार का प्रीमियम जमा नहीं करना होगा, क्योंकि संपूर्ण प्रीमियम का वहन सरकार द्वारा किया जाएगा। अधिसूचित क्षेत्र में बोई गई सभी अधिसूचित फसलों के लिए संपूर्ण बीमांकिक प्रीमियम सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

यह योजना बुवाई न हो पाने, बुवाई से कटाई तक (सूखा, वर्षा का अभाव, बाढ़, जलभराव, कीट एवं रोग, भूस्खलन, प्राकृतिक आग, वज्रपात, आंधी, चक्रवात आदि के कारण), तथा कटाई के बाद अधिकतम दो सप्ताह तक खेत में सुखाने के लिए रखी गई फसलों को चक्रवात, चक्रवाती वर्षा एवं बेमौसम वर्षा से होने वाली क्षति को भी बीमा सुरक्षा प्रदान करती है।

अधिसूचित क्षेत्र में अधिसूचित फसल उगाने वाले सभी किसान, जिनमें बटाईदार एवं पट्टेदार किसान भी शामिल हैं, योजना के अंतर्गत बीमा कराने के पात्र हैं। ऐसे किसानों को केंद्र शासित प्रदेश में प्रचलित भूमि अभिलेखों (अधिकार अभिलेख, भूमि कब्ज़ा प्रमाण–पत्र) अथवा प्रशासन द्वारा अधिसूचित/अनुमोदित अन्य दस्तावेज़ प्रस्तुत करने होंगे।

खरीफ–2026 के लिए योजना के अंतर्गत पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 अगस्त, 2026 निर्धारित की गई है। किसान अपने क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक अथवा सहकारी बैंक में भूमि अभिलेखों के साथ जाकर योजना में पंजीकरण करा सकते हैं। इसके अतिरिक्त किसान राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल pmfby.gov.in पर भी स्वयं पंजीकरण कर सकते हैं।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि पंजीकरण के बाद यदि

शेष पृष्ठ 4 पर

राष्ट्रीय पशुधन मिशन के अंतर्गत प्रशासन ने किया पशुधन बीमा योजना लागू

दक्षिण अण्डमान में प्रथम चरण में 2,942 पशुओं का होगा बीमा

श्री विजय पुरम, 6 अगस्त

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा निदेशालय ने वित्तीय वर्ष 2026–27 के दौरान राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एनएलएम) के अंतर्गत पशुधन बीमा योजना का क्रियान्वयन प्रारंभ कर दिया है।

योजना के प्रथम चरण में दक्षिण अण्डमान ज़िले में कुल 2,942 पशुओं का बीमा किया जाएगा। इस योजना का उद्देश्य पशुओं की बीमारी, दुर्घटना अथवा प्राकृतिक आपदाओं के कारण होने वाली हानि के जोखिम से पशुपालकों को आवश्यक वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना है। पशुधन बीमा लागू कर प्रशासन का उद्देश्य किसानों की जोखिमग्रस्तता को कम करना तथा उन्हें पशुपालन गतिविधियों में विश्वासपूर्वक निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

इस योजना के अंतर्गत दुग्ध देने वाली गायें, दुग्ध देने वाली भैंसें, बकरियां तथा सूअर जैसी महत्वपूर्ण श्रेणियों के पशुओं को शामिल किया जाएगा, जो अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में पशुपालन की आधारशिला हैं। विशेष रूप से लघु एवं सीमांत किसान, स्वयं सहायता समूह तथा डेयरी, बकरी पालन एवं सूअर पालन से जुड़े महिला उद्यमी इस पहल से अत्यधिक लाभान्वित होंगे।

पशुधन बीमा न केवल किसानों की आजीविका की सुरक्षा करेगा, बल्कि पशुपालन क्षेत्र में आधुनिक वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाने, बेहतर पशु स्वास्थ्य सेवाओं तथा उत्पादकता में वृद्धि को भी बढ़ावा देगा। इससे पशुपालन क्षेत्र में स्थिरता आएगी तथा अधिक से अधिक युवाओं और परिवारों को आजीविका के स्थायी स्रोत के रूप में पशुपालन अपनाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन ने सदैव पशुपालकों के कल्याण तथा उनके आर्थिक उत्थान को प्राथमिकता दी है। दक्षिण अण्डमान ज़िले में प्रथम चरण के अंतर्गत 2,942 पशुओं को शामिल करते हुए इस योजना का शुभारंभ द्वीपों में सुदृढ़ एवं समृद्ध ग्रामीण अर्थव्यवस्था के निर्माण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि पशुधन बीमा योजना का लाभ प्राप्त करने के इच्छुक किसान आवश्यक मार्गदर्शन एवं नामांकन के लिए अपने निकटतम पशु चिकित्सालय से संपर्क करें।

सभी पीएचएच एवं अंत्योदय अन्न योजना राशन कार्डधारक परिवारों से 15 अगस्त तक आयुष्मान कार्ड बनवाने की अपील

श्री विजय पुरम, 6 अगस्त

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी–पीएमजेएवाई) का शुभारंभ 23 सितंबर, 2018 को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में किया गया था। यह योजना देशभर के सूचीबद्ध सरकारी एवं निजी अस्पतालों में माध्यमिक तथा तृतीयक स्तर के अस्पताल में भर्ती उपचार के लिए प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का कैशलेस स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान कर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को निरंतर सुदृढ़ कर रही है।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में प्राथमिकता परिवार (पीएचएच) तथा अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) राशन कार्डधारक सभी परिवार आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ प्राप्त करने के पात्र हैं। ऐसे सभी पात्र पीएचएच एवं एएवाई लाभार्थी, जिन्होंने अभी तक अपना आयुष्मान कार्ड नहीं बनवाया है, उनसे अनुरोध किया गया है कि वे 15 अगस्त, 2026 अथवा उससे पूर्व अपना आयुष्मान कार्ड बनवा लें, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें कैशलेस उपचार का लाभ बिना किसी बाधा के प्राप्त हो सके। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार पात्र लाभार्थी गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध आयुष्मान ऐप, निकटतम सामान्य सेवा केंद्र (सीएससी), निकटतम स्वास्थ्य केंद्र अथवा जीबी पंत अस्पताल, श्री विजय पुरम स्थित आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना सहायता काउंटर के माध्यम से अपना आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं।

'अनिम्स' ने जनसंपर्क सुदृढ़ करने के लिए आधिकारिक सोशल मीडिया मंचों की शुरुआत की

श्री विजय पुरम, 6 अगस्त। अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह चिकित्सा संस्थान (अनिम्स) ने आम जनता के साथ संवाद एवं सहभागिता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से फेसबुक, इंस्टाग्राम तथा एक्स (पूर्व में ट्विटर) सहित प्रमुख सोशल मीडिया मंचों पर अपनी आधिकारिक उपस्थिति प्रारंभ की है।

इस पहल का उद्देश्य संस्थान के विकास संबंधी गतिविधियों, स्वास्थ्य सेवाओं, शैक्षणिक कार्यक्रमों, अनुसंधान पहलों तथा 'अनिम्स' द्वारा संचालित जनस्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों की समयबद्ध जानकारी उपलब्ध कराना है। इन मंचों के माध्यम से संस्थान सूचना की अधिक पारदर्शिता, सुलभता तथा समुदाय तक प्रत्यक्ष पहुंच सुनिश्चित करना चाहता है।

सोशल मीडिया के माध्यम से 'अनिम्स' महत्वपूर्ण घोषणाएं, स्वास्थ्य परामर्श, विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य संबंधी वार्ताएं, कार्यक्रमों की प्रमुख झलकियां तथा संस्थान के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों की उपलब्धियों को साझा करेगा। ये मंच अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के लोगों के बीच स्वास्थ्य शिक्षा एवं जनजागरूकता को बढ़ावा देने का भी माध्यम बनेंगे।

इस अवसर पर 'अनिम्स' के निदेशक प्रोफेसर एवं डॉ. मुकेश त्रिपाठी ने कहा कि आधिकारिक सोशल मीडिया पृष्ठों का शुभारंभ संस्थान और आम जनता के बीच की दूरी कम करने, स्वास्थ्य संबंधी पहलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

शेष पृष्ठ 4 पर

CMYK

डीसी–एसपी कप अंतर–ग्राम वॉलीबॉल प्रतियोगिता अंतिम चरण में

क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल एवं फाइनल 7 अगस्त को

श्री विजय पुरम, 6 अगस्त

उपायुक्त (दक्षिण अण्डमान) एवं पुलिस अधीक्षक (दक्षिण अण्डमान) द्वारा समेकित नशामुक्ति पुनर्वास केंद्र (आईआरसीए), खेल एवं युवा कार्य निदेशालय, शिक्षा निदेशालय तथा माई भारत के सहयोग से वॉलीबॉल प्रेमियों को सूचित किया गया है कि डीसी–एसपी कप अंतर–ग्राम पुरुष एवं महिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता–2026 के क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल एवं भव्य फाइनल मुकाबले 7 अगस्त, 2026 को कार्बाइंस कोव समुद्र तट, श्री विजय पुरम में आयोजित किए जाएंगे। क्वार्टर फाइनल एवं सेमीफाइनल मुकाबले सुबह 9 बजे से प्रारंभ होंगे, जबकि भव्य फाइनल का आयोजन सायं 4 बजे से होगा।

नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत आयोजित इस प्रतियोगिता में दक्षिण अण्डमान ज़िले के विभिन्न गांवों एवं पंचायतों, अर्थात श्री विजय पुरम तहसील, फरारगंज तहसील, शहीद द्वीप, स्वराज द्वीप तथा लिटिल अण्डमान से उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। यह प्रतियोगिता खेल भावना, स्वस्थ जीवनशैली, सामुदायिक सहभागिता तथा नशामुक्त समाज के संदेश को बढ़ावा देने का प्रभावी मंच सिद्ध हुई है। प्रतियोगिता का मुख्य आकर्षण शपथ ग्रहण समारोह रहा, जिसमें प्रत्येक मैच से पूर्व सभी सहभागी खिलाड़ियों ने "विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा" की शपथ ली।

यह आयोजन समेकित नशामुक्ति पुनर्वास केंद्र (आईआरसीए) के सक्रिय सहयोग से नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य खेल एवं सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध जनजागरूकता फैलाना है।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि ज़िला प्रशासन ने खेल प्रेमियों, युवाओं, पंचायत प्रतिनिधियों तथा आमजन से इस आयोजन में उपस्थित होकर प्रतिभागी टीमों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है। यह अवसर न केवल खेल उत्कृष्टता का उत्सव होगा, बल्कि "नशे से मुक्ति" के संकल्प को भी सुदृढ़ करेगा तथा अनुशासन, टीम भावना, शारीरिक तंदुरुस्ती एवं सामुदायिक एकता को बढ़ावा देगा।

अनिम्स में शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए प्रवेश

प्रॉस्पेक्टस–सह–आवेदन पत्र 8 अगस्त, 2026 से उपलब्ध होंगे

श्री विजय पुरम, 6 अगस्त

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह चिकित्सा संस्थान (अनिम्स), श्री विजय पुरम को शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा एमबीबीएस की 114 सीटों की स्वीकृति प्रदान की गई है। नीट–2026 उत्तीर्ण विद्यार्थियों को अखिल भारतीय कोटा काउंसलिंग तथा राज्य कोटा काउंसलिंग के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा। स्वीकृत 114 सीटों में से 17 सीटें अखिल भारतीय कोटा के अंतर्गत मेडिकल काउंसलिंग समिति (एमसीसी) द्वारा ऑनलाइन काउंसलिंग के माध्यम से भरी जाएंगी, जबकि शेष 97 सीटों पर राज्य कोटा (10 आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग तथा 87 श्रेणीवार सीटें) के अंतर्गत प्रवेश दिया जाएगा।

'अनिम्स' में प्रवेश के लिए नीट पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। अभ्यर्थी कॉमन कॉलेज एडमिशन पोर्टल https://collegeadmission.andamannicobar.gov.in तथा संस्थान की वेबसाइट www.aniims.andamannicobar.gov.in के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। पात्र अभ्यर्थियों की मेरिट सूची 17 अगस्त, 2026 को सुबह 11 बजे महाविद्यालय की वेबसाइट तथा सूचना पट्ट पर प्रदर्शित की जाएगी।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि राज्य कोटा की उपर्युक्त 97 सीटों के लिए केवल अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के नीट–2026 उत्तीर्ण विद्यार्थी ही आवेदन करने के पात्र होंगे। शेष 17 अखिल भारतीय कोटा सीटों पर प्रवेश मेडिकल काउंसलिंग समिति (एमसीसी) द्वारा ऑनलाइन काउंसलिंग के माध्यम से किया जाएगा।

कार्यक्रम	तिथि एवं समय
विधिवत भरे हुए आवेदन–पत्र जमा करने की प्रक्रिया प्रारंभ	8 अगस्त, 2026
आवेदन–पत्र जमा करने की अंतिम तिथि	16 अगस्त, 2026
अनंतिम मेरिट सूची का प्रकाशन	17 अगस्त, 2026, सुबह 11 बजे
अपील एवं शिकायत	17 अगस्त, 2026, दोपहर 12 बजे से 19 अगस्त, 2026, शाम 3 बजे तक
अंतिम मेरिट सूची का प्रकाशन	19 अगस्त, 2026, शाम 5 बजे
प्रथम चरण की काउंसलिंग एवं दस्तावेज़ों का सत्यापन	21 एवं 22 अगस्त, 2026
प्रवेश ग्रहण करने की अंतिम तिथि	28 अगस्त, 2026
द्वितीय चरण की काउंसलिंग एवं दस्तावेज़ों का सत्यापन	8 सितंबर, 2026
प्रवेश ग्रहण करने की अंतिम तिथि	14 सितंबर, 2026
तृतीय चरण की काउंसलिंग एवं दस्तावेज़ों का सत्यापन	26 सितंबर, 2026
प्रवेश ग्रहण करने की अंतिम तिथि	1 अक्टूबर, 2026
रिक्त बची सीटों हेतु काउंसलिंग (यदि आवश्यक हो)	5 अक्टूबर, 2026
प्रवेश ग्रहण करने की अंतिम तिथि	10 अक्टूबर, 2026
एमबीबीएस शैक्षणिक सत्र 2026–27 का शुभारंभ	8 सितंबर, 2026

नोटः काउंसलिंग की तिथियां अस्थायी हैं तथा मेडिकल काउंसलिंग समिति (एमसीसी) के समय–समय पर जारी निर्देशों के अनुसार इनमें परिवर्तन किया जा सकता है। अभ्यर्थियों को अद्यतन जानकारी के लिए https://aniims.andamannicobar.gov.in तथा संस्थान के सूचना पट्ट का नियमित रूप से अवलोकन करने की सलाह दी गई है।

किसी भी प्रकार की जानकारी अथवा प्रश्न के लिए अभ्यर्थी 'अनिम्स' प्रवेश प्रकोष्ठ से दूरभाष संख्या 03192–230258 पर संपर्क कर सकते हैं।

लावारिस मृतक के परिजनों से शव प्राप्त करने की अपील

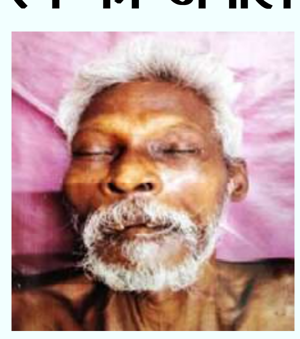

श्री विजय पुरम, 6 अगस्त

शहीद द्वीप निवासी 60 वर्षीय अमीश नामक पुरुष रोगी का 30 जुलाई, 2026 को जीबी पंत अस्पताल में निधन हो गया। मृतक का शव वर्तमान में जीबी पंत अस्पताल, श्री विजय पुरम के शीतगृह शवागार में रखा गया है। अब तक मृतक के किसी भी परिजन अथवा परिचित द्वारा शव प्राप्त करने के लिए संपर्क नहीं किया गया है। यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि आमजन, गैर–सरकारी संगठन अथवा मृतक के परिजन शव प्राप्त करने के लिए आगे आएं। यदि इस प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर कोई व्यक्ति अथवा परिजन उक्त शव का दावा करने के लिए आगे नहीं आता है, तो जीबी पंत अस्पताल, श्री विजय पुरम के चिकित्सा अधीक्षक बिना किसी अन्य सूचना के उक्त शव का नियमानुसार निस्तारण करने के लिए स्वतंत्र होंगे।

'अनिम्स' ने जनसंपर्क सुदृढ़ करने के लिए

पृष्ठ 1 का शेष

प्राप्त विज्ञप्ति में आम जनता से अपील की गई है कि वे क्यूआर कोड स्कैन कर उपर्युक्त सोशल मीडिया हैंडल पर 'अनिम्स' से जुड़ें, ताकि संस्थान की नवीनतम गतिविधियों, पहलों एवं महत्वपूर्ण जानकारियों से नियमित रूप से अवगत रह सकें।

रैम्प पर्यटन हस्तक्षेप 2026–27 के अंतर्गत

पृष्ठ 1 का शेष

EXPRESSION OF INTEREST / WILLINGNESS FOR AVAILING BENEFITS UNDER THE RAISING AND ACCELERATING MSME PERFORMANCE (RAMP) TOURISM INTERVENTIONS, 2026-27

To,
The Director (Tourism)
A & N Administration
Sri Vijaya Puram

1. Name of the Candidate / Applicant: ______________________
2. Contact Number: ____________ Email ID: ______________
3. Proposed Location for Astro Tourism Unit: ______________
4. Type of Tourism Enterprise (Homestay / Tour Operator / Individual / Other): __
5. Aadhar No. ______________________
6. PAN No. ______________________

I hereby express my willingness for availing benefits under the Raising and Accelerating MSME Performance (RAMP) Tourism Interventions, 2026-27 notified vide Notification No. 243 dated 5.8.2026.

Date: ____________

Signature of Applicant: ____________

किसानों से 31 अगस्त तक पंजीकरण

पृष्ठ 1 का शेष

बीमित फसल को किसी भी प्रकार की क्षति होती है, तो बीमित किसान को स्वयं अथवा अपने मोबाइल, लैंडलाइन, अन्य उपलब्ध माध्यमों या टोल फ्री नंबर के माध्यम से 72 घंटे के भीतर इसकी सूचना कार्यान्वयन एजेंसी क्षेमा जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड, संबंधित बैंक अथवा स्थानीय कृषि विभाग को देना अनिवार्य होगा।

किसी भी प्रकार की सहायता अथवा जानकारी के लिए किसान किसान कॉल सेंटर हेल्पलाइन नंबर 243434 / 18003451145 पर संपर्क कर सकते हैं अथवा विभिन्न क्षेत्रों में स्थित कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से संपर्क कर सकते हैं।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के किसानों से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की गई है।

आईसीएमआर शाइन–2026 रील निर्माण प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित

श्री विजय पुरम, 6 अगस्त

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने अपने क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र (आरएमआरसी), श्री विजय पुरम के माध्यम से अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को "आईसीएमआर शाइन–2026 रील निर्माण प्रतियोगिता" में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है।

इस प्रतियोगिता का उद्देश्य युवा विद्यार्थियों को लघु वीडियो रीलों के माध्यम से महत्वपूर्ण जनस्वास्थ्य संदेशों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित करना तथा स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर जागरूकता बढ़ाना है। इस पहल के माध्यम से विद्यालयी विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, स्वास्थ्य शिक्षा एवं सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देना भी लक्ष्य है।

पात्र विद्यार्थियों को प्रमुख जनस्वास्थ्य विषयों पर आधारित नवीन एवं प्रभावशाली रील तैयार करने के लिए आमंत्रित किया गया है। यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ–साथ स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने एवं रोगों की रोकथाम के प्रति जनजागरूकता फैलाने में योगदान देने का अवसर प्रदान करती है।

प्रतियोगिता के लिए प्रविष्टियां 2 अगस्त से 12 अगस्त, 2026 तक स्वीकार की जाएंगी। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता के आधिकारिक दिशा–निर्देशों का पालन करते हुए निर्धारित अवधि के भीतर अपनी प्रविष्टियां प्रस्तुत करने की सलाह दी गई है।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रतिभागी प्रतियोगिता के पोस्टर पर दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर आईसीएमआर के आधिकारिक सोशल मीडिया माध्यमों तक पहुंच सकते हैं तथा प्रतियोगिता, प्रविष्टि जमा करने की प्रक्रिया एवं अन्य अद्यतन जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

आईसीएमआर–आरएमआरसी, श्री विजय पुरम ने द्वीपसमूह के सभी विद्यालयों, शिक्षकों एवं अभिभावकों से विद्यार्थियों को इस अनूठी पहल में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करने की अपील की है। यह पहल रचनात्मकता को जनस्वास्थ्य जागरूकता एवं वैज्ञानिक प्रसार के साथ जोड़ती है।

एनकॉल में नवप्रवेशित स्नातक विद्यार्थियों की कक्षाएं 10 अगस्त से प्रारंभ होंगी

श्री विजय पुरम, 6 अगस्त

शैक्षणिक वर्ष 2026–2027 के लिए अण्डमान कॉलेज (एनकॉल) के विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि उनकी नियमित कक्षाएं सोमवार, 10 अगस्त, 2026 से प्रारंभ होंगी।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह सूचना बी.कॉम. (सामान्य), बी.कॉम. (कॉर्पोरेट सेक्रेटरीशिप), बीबीए, बी.एससी. मनोविज्ञान, बी.ए. अंग्रेज़ी, बी.ए. अर्थशास्त्र, बी.ए. समाजशास्त्र तथा बी.पी.ए. संगीत (हिंदुस्तानी गायन एवं वाद्य) में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों पर लागू होगी।

विद्यार्थियों को निम्नलिखित निर्देशों का पालन करने के लिए कहा गया है–

- महाविद्यालय द्वारा जारी समय–सारिणी के अनुसार अपने–अपने विभागों में उपस्थित होकर नियमित कक्षाओं में भाग लें।
- प्रवेश, शुल्क भुगतान अथवा दस्तावेज़ों के सत्यापन से संबंधित यदि कोई औपचारिकता शेष हो तो उसे बिना विलंब पूरा करें।
- जहां दस्तावेज़ों का सत्यापन लंबित हो, वहां प्रवेश शुल्क की रसीद तथा संबंधित मूल दस्तावेज़ साथ लेकर आएं।
- कक्षाओं के प्रारंभ होने की तिथि से नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करें तथा संबंधित विभागाध्यक्ष द्वारा जारी सभी निर्देशों का पालन करें।

सभी नवप्रवेशित विद्यार्थियों को उपर्युक्त निर्देशों का संज्ञान लेते हुए तदनुसार महाविद्यालय में उपस्थित होने की सलाह दी गई है।

मायाबंदर कॉलेज में रिक्त स्नातक सीटों पर स्पॉट प्रवेश 14 अगस्त को

मायाबंदर, 6 अगस्त

महात्मा गांधी राजकीय महाविद्यालय, मायाबंदर, उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िला में शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए संचालित विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में कुछ सीटें रिक्त हैं। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रथम वर्ष के डिग्री पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थी 14 अगस्त, 2026 (गुरुवार) को सुबह 9.30 बजे से आयोजित होने वाले स्पॉट प्रवेश में भाग ले सकते हैं।

गाराचरामा में सीडब्ल्यूएसएन के लिए पहचान एवं चिकित्सीय मूल्यांकन शिविर संचालित

श्री विजय पुरम, 6 अगस्त

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) के लिए पहचान एवं मूल्यांकन (चिकित्सीय मूल्यांकन) शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन 5 अगस्त, 2026 (बुधवार) को पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गाराचरामा की आईसीटी प्रयोगशाला में किया गया। शिविर का आयोजन विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं सीआरसी समन्वयक, श्री प्रभाष राय तथा अन्य विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

शिविर का संचालन ज़िला चिकित्सालय, गाराचरामा के चिकित्सकीय विशेषज्ञों की टीम द्वारा किया गया, जिसमें डॉ. संतनु घोषाल तथा श्रीमती रेबा रानी सरकार, एलएचडब्ल्यू शामिल थीं। टीम ने विद्यार्थियों का मूल्यांकन कर उनकी शैक्षिक एवं पुनर्वास संबंधी आवश्यकताओं की पहचान की,

विद्यालयी बच्चों में दिव्यांगता अथवा शारीरिक विकृतियों का पता लगाया, पूर्व में चिन्हित विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की प्रगति की समीक्षा की तथा ऐसे बच्चों एवं उनके अभिभावकों को मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रदान किया।

चिकित्सीय मूल्यांकन शिविर में अभिभावकों एवं संरक्षकों के साथ कुल 27 विद्यार्थियों ने भाग लिया। यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि कार्यक्रम का समापन श्री घनश्याम, जीटीटी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने मनाया वन महोत्सव

श्री विजय पुरम, 6 अगस्त।

वन महोत्सव–2026 के उपलक्ष्य में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 5 अगस्त, 2026 को विभागीय कार्यालय परिसर में फलदार पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया तथा अवसर की स्मृति में फलदार पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर वन महोत्सव के महत्व पर भी चर्चा की गई।

पुलिस प्रशिक्षण संस्थान में फायरिंग प्रैक्टिस आज

श्री विजय पुरम, 6 अगस्त

सभी संबंधितों की जानकारी के लिए सूचित किया जाता है कि भारत के माननीय उपराष्ट्रपति के श्री विजय पुरम दौरे के संबंध में सुरक्षा व्यवस्था हेतु तैनात सुरक्षा कर्मियों का छोटे हथियारों से फायरिंग अभ्यास 7 अगस्त, 2026 को सुबह 5 बजे से दोपहर 12 बजे तक नेताजी सुभाष चंद्र बोस पुलिस प्रशिक्षण संस्थान, फायरिंग रेंज, प्रोथरापुर में आयोजित किया जाएगा।

दक्षिण अण्डमान के ज़िलाधीश से प्राप्त अधिसूचना में आम जनता, विशेषकर बर्ड लाइन एवं प्रोथरापुर क्षेत्र के ग्रामीणों / निवासियों को जागरूक किया जाए कि वे उक्त तिथि एवं समय के दौरान स्वयं तथा अपने मवेशियों को फायरिंग रेंज से दूर रखें।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

F.No. 5-1/ANIIMS/Admission/2026-27/
अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह चिकित्सा संस्थान
अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन, श्री विजय पुरम

शैक्षणिक सत्र 2026–27 हेतु अनिम्स में एमबीबीएस प्रवेश

प्रॉस्पेक्टस–सह–आवेदन पत्र 08 अगस्त 2026 से उपलब्ध

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह आयुर्विज्ञान संस्थान (ANIIMS), श्री विजय पुरम को भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW) तथा अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए एमबीबीएस (MBBS) की 114 सीटों की स्वीकृति प्रदान की गई है।

NEET-2026 में अर्हता प्राप्त अभ्यर्थियों का प्रवेश अखिल भारतीय कोटा (All India Quota) एवं राज्य कोटा (State Quota) काउंसलिंग के माध्यम से किया जाएगा।

स्वीकृत 114 सीटों में से 17 सीटों पर प्रवेश मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (MCC) द्वारा आयोजित ऑनलाइन काउंसलिंग के माध्यम से अखिल भारतीय कोटा के अंतर्गत किया जाएगा तथा शेष 97 सीटों पर राज्य कोटा के अंतर्गत प्रवेश दिया जाएगा, जिनमें 10 आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) तथा 87 श्रेणी (Category) सीटें सम्मिलित हैं।

ANIIMS में प्रवेश हेतु NEET-2026 में अर्हता प्राप्त अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी कॉमन कॉलेज एडमिशन पोर्टल https://collegeadmission.andamannicobar.gov.in तथा संस्थान की वेबसाइट https://aniims.andamannicobar.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

पात्र अभ्यर्थियों की मेरिट सूची दिनांक 17 अगस्त 2026 को पूर्वाहन 11.00 बजे संस्थान की वेबसाइट तथा संस्थान के सूचना पट्ट (Notice Board) पर प्रदर्शित की जाएगी।

केवल अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के NEET-2026 में अर्हता प्राप्त अभ्यर्थी ही राज्य कोटा की उपर्युक्त 97 सीटों हेतु आवेदन करने के पात्र होंगे। शेष 17 सीटों पर प्रवेश मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (MCC) द्वारा आयोजित ऑनलाइन काउंसलिंग के माध्यम से किया जाएगा।

महत्वपूर्ण कार्यक्रम (Event Schedule)

कार्यक्रम	दिनांक एवं समय
आवेदन पत्र जमा करने की प्रारंभ तिथि	08 अगस्त 2026
आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि	16 अगस्त 2026
अंतिम (Provisional) मेरिट सूची का प्रकाशन	17 अगस्त 2026, प्रातः 11:00 बजे
आपत्ति एवं शिकायत दर्ज करने की अवधि	17 अगस्त 2026, दोपहर 12.00 बजे से 19 अगस्त 2026, अपराह्न 3.00 बजे तक
अंतिम मेरिट सूची का प्रकाशन	19 अगस्त 2026, सायं 5:00 बजे
प्रथम चरण की काउंसलिंग एवं दस्तावेज़ों का सत्यापन	21 एवं 22 अगस्त 2026
प्रथम चरण में प्रवेश लेने की अंतिम तिथि	28 अगस्त 2026
द्वितीय चरण की काउंसलिंग एवं दस्तावेज़ों का सत्यापन	08 सितंबर 2026
द्वितीय चरण में प्रवेश लेने की अंतिम तिथि	14 सितंबर 2026
तृतीय चरण की काउंसलिंग एवं दस्तावेज़ों का सत्यापन	26 सितंबर 2026
तृतीय चरण में प्रवेश लेने की अंतिम तिथि	01 अक्टूबर 2026
स्ट्रे वैकेंसी काउंसलिंग (यदि आवश्यक हो)	05 अक्टूबर 2026
स्ट्रे वैकेंसी में प्रवेश लेने की अंतिम तिथि	10 अक्टूबर 2026
एमबीबीएस शैक्षणिक सत्र 2026–27 का शुभारंभ	08 सितंबर 2026

महत्वपूर्ण सूचना– काउंसलिंग की उपर्युक्त तिथियाँ अस्थायी (Tentative) हैं तथा मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (MCC) द्वारा समय–समय पर जारी निर्देशों के अनुसार इनमें परिवर्तन किया जा सकता है। अतः अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे नवीनतम जानकारी एवं अद्यतन सूचना के लिए संस्थान की वेबसाइट https://aniims.andamannicobar.gov.in तथा संस्थान के सूचना पट्ट का नियमित रूप से अवलोकन करते रहें।

संपर्क– किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता हेतु अभ्यर्थी ANIIMS के प्रवेश प्रकोष्ठ (Admission Cell) से दूरभाष संख्या 03192–230258 पर संपर्क कर सकते हैं।

डीन (अकादमिक),
अनिम्स, श्री विजय पुरम

उपायुक्त का कार्यालय, आबकारी विभाग, मायाबंदर

सूचना

दिनांक : 03.08.2026

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री प्रतीक बिस्वास, श्री प्रभात कुमार बिस्वास के पुत्र, निवासी पीकेबी बिल्डिंग, न्यू दुर्गा मार्केट, सुभाषग्राम, डिगलीपुर, उत्तर एवं मध्य अण्डमान, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह ने ब्लू ओशन बार एण्ड रेस्टोरेंट, न्यू दुर्गा मार्केट, बीकेबी बिल्डिंग, सुभाषग्राम, डिगलीपुर, उत्तर एवं मध्य अण्डमान, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह 744202 के लिए बार लाइसेंस हेतु आवेदन किया है।

इस संबंध में, यदि किसी व्यक्ति को इस पर कोई आपत्ति है, तो वह https://edistrict.andamannicobar.gov.in/PublicObjection/NewBarLicense पर जाकर लिखित आपत्ति दर्ज करा सकता है, साथ ही इस सूचना के जारी होने के 15 दिनों के भीतर संबंधित प्रमाण भी प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। केवल उन्हीं आपत्तियों की जांच की जाएगी जिन पर उत्पाद शुल्क विनियमों, नियमों, नीति और दिशा–निर्देशों में निहित प्रावधान लागू होते हैं।

सहायक आयुक्त (उत्पाद शुल्क)

सूचना

F. No. 2-3/DBRAIT/AC/1373 दिनांक 04 / 08 / 2026

डॉ. बी. आर. आंबेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान, श्री विजय पुरम में शैक्षणिक सत्र 2026–27 (विषम सेमेस्टर) हेतु अतिथि सहायक प्राध्यापक (Guest Assistant Professor) एवं अंशकालिक प्रशिक्षक (Part-Time Instructor) (डिग्री कार्यक्रम) के पदों पर भर्ती के लिए वॉक–इन इंटरव्यू आयोजित किया जा रहा है। साक्षात्कार 12 अगस्त 2026 को आयोजित किया जाएगा। पात्रता मानदंड, साक्षात्कार का विस्तृत कार्यक्रम तथा डेमो विषयों से संबंधित जानकारी संस्थान की वेबसाइट https://dbrait.andamannicobar.gov.in पर उपलब्ध है।

पात्र अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे साक्षात्कार के समय अपना बायोडाटा (Res ume) तथा अपनी शैक्षणिक योग्यता, प्रशिक्षण प्रमाणपत्र, अनुभव प्रमाणपत्र एवं अन्य संबंधित दस्तावेजों की स्वप्रमाणित (Self-Attested) प्रतियां साथ लाएं। साथ ही, सत्यापन हेतु सभी मूल प्रमाणपत्र / दस्तावेज भी प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

डीन (शैक्षणिक–डिग्री), डीब्राइट

शपथ पत्र

मैं, अयान रहमान, पुत्र श्री एम. तौफीक रहमान, आयु लगभग 23 वर्ष, निवासी अटलांटा प्वाइंट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, सत्यनिष्ठापूर्वक शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करता हूँ :–

1. कि मैं अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह का स्थायी निवासी हूँ।
2. कि मेरे जन्म प्रमाण–पत्र में मेरे पिता का नाम त्रुटिवश TAUFEEQ REHMAN अंकित किया गया है, जबकि उनका सही नाम "M TAUFEEQ REHMAN" है।
3. कि उसी जन्म प्रमाण–पत्र में मेरी माता का नाम त्रुटिवश "SAHIRA" अंकित किया गया है, जबकि उनका सही नाम "SAHIRA BANU" है।
4. कि मेरे माता–पिता के सही नाम निम्नानुसार हैं :–

पिता : एम. तौफीक रहमान (M TAUFEEQ REHMAN)
माता : साहिरा बानू (SAHIRA BANU)

5. कि "TAUFEEQ REHMAN" एवं "M TAUFEEQ REHMAN" दोनों नाम एक ही व्यक्ति अर्थात् मेरे पिता के नाम हैं। इसी प्रकार "SAHIRA" एवं "SAHIRA BANU" दोनों नाम एक ही व्यक्ति अर्थात् मेरी माता के नाम हैं।
6. कि मेरे माता–पिता के सही नाम मेरे सभी अन्य सरकारी एवं आधिकारिक अभिलेखों में विधिवत दर्ज हैं।

कि यह शपथ–पत्र मेरे जन्म प्रमाण–पत्र में मेरे माता–पिता के नामों के सुधार / सत्यापन कराने तथा अन्य सभी सरकारी, विधिक एवं आधिकारिक प्रयोजनों के लिए निष्पादित किया जा रहा है।

स्थानः श्री विजय पुरम
दिनांकः 04 / 08 / 2026

शपथकर्ता

शपथ पत्र

मैं, संख्या 5353686F, रैंक – नायक (Nk), नाम – सूरज राय, निवासी 2/4 GR/4 GR, C/o 99 APO, ब्रिचगंज मिलिट्री स्टेशन, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह – 744103, सत्यनिष्ठापूर्वक शपथ लेकर निम्नलिखित कथन करता हूँ :

(क) कि मेरी पत्नी का नाम मेरे सेवा अभिलेख (Service Record) में "श्रीजना तामांग राय (SRIJANA TAMANG RAI)" दर्ज है। जबकि मेरी पत्नी का सही नाम, जैसा कि उनके आधार कार्ड एवं अन्य सरकारी दस्तावेजों में अंकित है, "श्रीजना तामांग (SRIJANA TAMANG)" है। अतः मैं अनुरोध करता हूँ कि मेरे सेवा अभिलेख में मेरी पत्नी का नाम "श्रीजना तामांग राय" के स्थान पर "श्रीजना तामांग" दर्ज किया जाए।

(ख) कि मैं यह शपथ पत्र अपनी पत्नी के वास्तविक एवं सही नाम के प्रमाण के रूप में प्रस्तुत कर रहा हूँ, ताकि मेरे सेवा अभिलेख में आवश्यक संशोधन किया जा सके।

(ग) कि इस शपथ पत्र में उल्लिखित सभी कथन मेरी जानकारी, विश्वास एवं अभिलेखों के अनुसार सत्य एवं सही हैं तथा इसमें कोई भी महत्वपूर्ण तथ्य छिपाया नहीं गया है।

स्थानः श्री विजय पुरम

शपथकर्ता

फोनपे ने लॉन्च की एफडी डिस्ट्रीब्यूशन सेवा

नई दिल्ली, 6 अगस्त (आईएएनएस)। डिजिटल पेमेंट और फिनटेक प्लेटफॉर्म फोनपे ने गुरुवार को अपने प्लेटफॉर्म पर फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) डिस्ट्रीब्यूशन सेवा शुरू करने की घोषणा की। इसके तहत यूजर्स अब ऐप के जरिए प्रमुख बैंकों और एनबीएफसी (एनबीएफसी) की एफडी की तुलना कर सीधे निवेश कर सकेंगे।

कंपनी ने शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ साझेदारी में एक नया डिजिटल माइक्रो–सेविंग्स प्रोडक्ट डेली रिकरिंग डिपॉजिट (डेली आरडी) भी लॉन्च किया है। इस योजना के तहत ग्राहक सिर्फ 100 रुपये प्रतिदिन से बचत शुरू कर सकते हैं।

फोनपे ने कहा कि नई सुविधा के जरिए एफडी खोलने की पूरी प्रक्रिया अब पूरी तरह डिजिटल होगी। यूजर्स ऐप पर विभिन्न बैंकों और एनबीएफसी के एफडी विकल्पों की तुलना कर अपनी पसंद के अनुसार तुरंत निवेश कर सकेंगे। पार्टनर बैंकों में बुक की गई एफडी पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दिशा–निर्देशों के अनुसार डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन के तहत 5 लाख रुपये तक का बीमा कवर भी मिलेगा।

कंपनी के अनुसार, यह सुविधा ग्राहकों को एक ही ऐप के जरिए अलग–अलग बैंकों में एफडी करने और उन्हें आसानी से मैनेज करने की सुविधा भी देगी।

वहीं, डेली आरडी को खास तौर पर छोटे निवेशकों, युवाओं, मिलेनियल्स, जेन–जी और बैंकिंग सेवाओं से कम जुड़े लोगों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसमें 100 रुपये से लेकर 1,000 रुपये प्रतिदिन तक का निवेश किया जा सकता है। यह सुविधा यूपीआई ऑटोपे पर आधारित है, जिससे निवेश अपने–आप होता रहेगा।

भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय
भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना
(ईसीएचएस एसटीएन सेल), मिनी बे, श्री विजय पुरम
फोन : 03192 – 248958, ई–मेलः echsjarawa2018@gmail.com

रोजगार सूचना

1. ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक, श्री विजय पुरम में अनुबंध के आधार पर निम्नलिखित मेडिकल, पैरा मेडिकल और नॉन मेडिकल की सेवाओं को संलग्न करने के लिए एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए एक वर्ष की अवधि के लिए / उम्मीदवारों के प्रदर्शन के अधीन अधिकतम आयु प्राप्त करने तक आवेदन आमंत्रित करता है। अन्य शर्ते प्रत्येक पद के सामने उल्लिखित मानदंडों के अनुसार : –

क्रम सं.	नियुक्ति	न्यूनतम योग्यता	कार्य अनुभव	वांछनीय गुण	रिक्ति की संख्या	निश्चित मासिक पारिश्रमिक (रु.)
1.1	**मेडिकल अधिकारी**	एमबीबीएस	इंटर्नशिप के बाद कम से कम 3 साल का अनुभव ज़रूरी है; मेडिसिन / सर्जरी में अतिरिक्त योग्यता को प्राथमिकता दी जाएगी।	MBBS PG / अन्य अतिरिक्त योग्यता में मेरिट। 05 साल से अधिक का अनुभव	01	रु. 95,000 / –
1.2	**डाटा एंट्री ऑपरेटर**	स्नातक / श्रेणी–। लिपिकीय ट्रेड (सशस्त्र बल)	ग्रेजुएट / क्लास–। क्लरीकल ट्रेड (सशस्त्र बल)	कंप्यूटर योग्यता और 10 साल से ज़्यादा का अनुभव	01	रु. 29,200 / –

2. **नियम एवं शर्तों के लिए, आवेदन पत्र, पारिश्रमिक** :– कृपया ECHS की वेबसाइट www.echs.gov.in देखें। ज़्यादा जानकारी के लिए, स्टेशन HQ, ECHS सेल, मिनी बे, श्री विजय पुरम से संपर्क करें (फ़ोन नंबर 03192–248958 और ईमेलः echsjarawa2018@gmail.com)। अधिक जानकारी के लिए संबंधित ECHS पॉलीक्लिनिक से भी संपर्क किया जा सकता है। पूर्व–सैनिकों को प्राथमिकता दी जाएगी।

3. **हमारी वेबसाइट पर दिए गए प्रारूप के अनुसार आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि** :– ज़रूरी फ़ॉर्मेट में आवेदन के साथ, अपनी शैक्षणिक योग्यता और काम के अनुभव के सबूत के तौर पर सर्टिफ़िकेट की सेल्फ़–अटेस्टेड फ़ोटोकॉपी (जिसमें आधार कार्ड और पैन कार्ड भी शामिल हों) HQ, ECHS स्टेशन सेल, मिनी बे, श्री विजय पुरम–744103 को 07 सितम्बर 2026 से पहले जमा करना होगा। 07 सितम्बर 2026 के बाद मिलने वाला कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। कोई भी ऑनलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

4. **साक्षात्कार की तिथि, समय और स्थान** :– सिर्फ़ ज़रूरी योग्यताएँ पूरी करने वाले उम्मीदवार को ही इंटरव्यू के लिए फ़ोन पर जानकारी दिया जाएगा। उम्मीदवारों को 16 सितम्बर 2026 से 18 सितम्बर 2026 के बीच होने वाले इंटरव्यू के लिए INS जारावा के कॉन्फ्रेंस हॉल में सुबह 10.00 बजे पहुँचना होगा। इंटरव्यू के समय उम्मीदवारों को अपने सभी ओरिजिनल सर्टिफ़िकेट / मार्कशीट / डिग्री (10वीं / मैट्रिक, 10+2 और ग्रेजुएशन / पोस्ट–ग्रेजुएशन), डिप्लोमा कोर्स, काम का अनुभव और डिस्चार्ज बुक, PPO, सर्विस रिकॉर्ड और 2 पासपोर्ट साइज़ रंगीन फ़ोटो भी साथ लाने होंगे। कोई टीए / डीए नहीं दिया जाएगा। सिर्फ़ ज़रूरी योग्यताएँ पूरी करने वाले उम्मीदवार ही अप्लाई कर सकते हैं।

5. **मेडिकल अधिकारी के लिए 10 दिन का हस्तांतरण / स्वीकृति का समय** :– चयनित अधिकारी को अनुबंध पर हस्ताक्षर करने से पहले 10 दिन का ऑनजॉब प्रशिक्षण (OJT) पूरा करना होगा और OIC पॉलीक्लिनिक से प्रमाणपत्र प्राप्त करना होगा। यह OJT अवधि अनिवार्य रूप से अप्रतिदेय होगी और एक संविदात्मक कर्मचारी के रूप में कार्यभार संभालने से पहले इसे अनिवार्य माना जाएगा।

कमांडर
Oi/C ECHS स्टेशन सेल
स्टेशन कमांडर, ईसीएचएस की ओर से

दुश्मन के एक साथ कई टारगेट तबाह करेगी अग्नि–4 मिसाइल, परीक्षण सफल

नई दिल्ली, 06 अगस्त (हि.स.)। भारत ने गुरुवार को ओडिशा के चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल (एमआरबीएम) अग्नि–4 का सफल प्रक्षेपण करके एयरोस्पेस की दुनिया में धमाका कर दिया। ओडिशा के तट पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से डीआरडीओ ने यह परीक्षण किया। मिसाइल ने अधिकतम सीमा तक जाकर अपने लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाया। अग्नि सीरीज की आधुनिक, घातक, सटीक और मीडियम रेंज की परमाणु बैलिस्टिक मिसाइल दुश्मन के कई टारगेट एक साथ तबाह कर सकती है।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार भारत के परमाणु कमान प्राधिकरण (एनसीए) के सामरिक बल कमान के अधीन रात को किये गए प्रक्षेपण ने सभी परिचालन और तकनीकी मापदंडों को सफलतापूर्वक सत्यापित किया। स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड के तहत किए गए इस लॉन्च ने सभी ऑपरेशनल और तकनीकी मापदंडों को मान्य किया। ओडिशा के चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज से दागी गई अग्नि–4 मिसाइल 1,000 किलोग्राम से लेकर 4,000 किलोमीटर तक पेलोड ले जा सकती है और इसे रोड–मोबाइल लॉन्चर से दागा जा सकता है। 2012 में अग्नि–4 ने 20 मिनट में 3,000 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की थी।

डीआरडीओ के मुताबिक अग्नि–4 मिसाइल को पहले अग्नि–2 प्राइम कहा जाता था। अग्नि मिसाइलों को डीआरडीओ ने डिजाइन और विकसित किया है। अग्नि–5 के साथ भारत की स्वदेशी रूप से विकसित मिसाइलों ने एक लंबा सफर तय किया है। यह अग्नि सीरीज की सबसे आधुनिक, घातक, सटीक और मीडियम रेंज की परमाणु बैलिस्टिक मिसाइल है। भारत की यह परमाणु मिसाइल एक साथ दुश्मन के कई टारगेट तबाह कर सकती है। अग्नि–। सिंगल–स्टेज की मिसाइल है, जबकि अग्नि प्राइम दो स्टेज के रॉकेट मोटर पर चलने वाली मिसाइल है, जिसका तीसरा स्टेज मैन्यू रेबल रीएंट्री व्हीकल है।

अग्नि परियोजना से जुड़े एक रक्षा अधिकारी ने कहा कि इससे तीसरे स्टेज को दूर से नियंत्रित करके दुश्मन के टारगेट पर सटीक हमला किया जा सकता है। डबल–स्टेज अग्नि प्राइम में एक कनस्तर संस्करण होगा, जिससे इसे सड़क और मोबाइल लॉन्चर दोनों से फायर किया जा सकता है। इस पर 1500 किलोग्राम से 3000 किलोग्राम वजन के हथियार लगाए जा सकते हैं। यह दो चरणों वाली ठोस ईंधन से चलने वाली मिसाइल है। इसमें आधुनिक नौवहन और सटीक मार्गदर्शन प्रणाली लगी है। इसे सड़क मार्ग से आसानी से एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जा सकता है।

ब्रिक्स उद्योग और व्यापार मंत्रियों की उच्च स्तरीय बैठक जयपुर में शुरू

नई दिल्ली, 06 अगस्त

ब्रिक्स उद्योग और व्यापार मंत्रियों की उच्च स्तरीय बैठक आज जयपुर में शुरू हुई। भारत की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में वैश्विक व्यापार, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों, डिजिटल सेवाओं और आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हो रही है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, ब्रिक्स सदस्य देशों के प्रतिनिधियों के साथ इस बैठक में भाग ले रहे हैं। श्री गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सितंबर में नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले इस बैठक का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है।

इतिहास के पन्नों में 07 अगस्तः भारत को मिला बिलियर्ड्स का विश्व विजेता, गीत सेठी की ऐतिहासिक जीत

नई दिल्ली, 06 अगस्त (हि.स.)। भारतीय खेल इतिहास में 06 अगस्त 1985 का दिन बिलियर्ड्स के लिए स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज है। इसी दिन भारत के महान क्यू खिलाड़ी गीत श्रीराम सेठी ने विश्व एमेच्योर बिलियर्ड्स चैंपियनशिप का खिताब जीतकर देश को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिलाई। फाइनल मुकाबले में गीत सेठी का सामना ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी खिलाड़ी बॉब मार्शल से हुआ। दोनों खिलाड़ियों के बीच लगभग आठ घंटे तक चले बेहद रोमांचक और कड़े मुकाबले में सेठी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इस यादगार मुकाबले की चर्चा लंबे समय तक खेल जगत में होती रही।

इस ऐतिहासिक जीत ने न केवल गीत सेठी को विश्व बिलियर्ड्स के शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल किया, बल्कि भारत में बिलियर्ड्स और स्नूकर जैसे क्यू खेलों की लोकप्रियता को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। बाद के वर्षों में गीत सेठी ने कई विश्व खिताब जीतकर भारत का नाम रोशन किया। उन्हें खेलों में उत्कृष्ट योगदान के लिए अर्जुन पुरस्कार, राजीव गांधी खेल रत्न और पद्म श्री सहित कई प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है।

अन्य महत्वपूर्ण घटनाचक्र–1606– शेक्सपियर के नाटक मैक्बेथ का पहली बार मंचन किंग जेम्स प्रथम के लिए किया गया।

1668– प्रसिद्ध न्यूटन ने ट्रिनीटी कॉलेज कैंब्रिज से मास्टर डिग्री हासिल की।

1753– ब्रिटेन म्यूजियम की स्थापना की गई।

1880– उचित वक्ता पण्डित दुर्गाप्रसाद मिश्र द्वारा प्रकाशित होने वाला समाचार पत्र था।

1905– भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने ब्रिटिश वस्तुओं के बहिष्कार का आह्वान किया, जिससे स्वदेशी आंदोलन को बढ़ावा मिला।

1914– रूस ने पूर्वी परूसिया पर हमला किया।

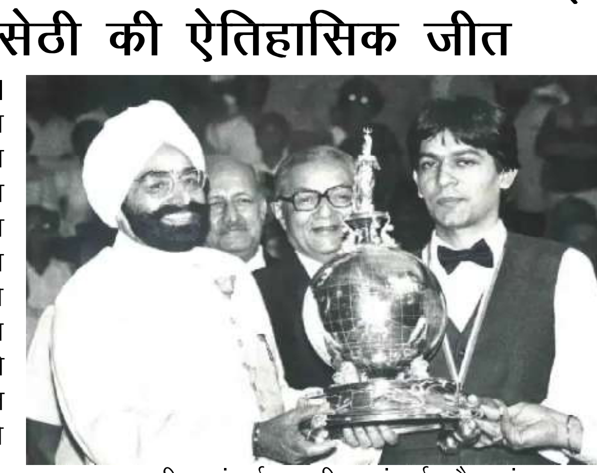

1944– 51 फीट लंबाई, 8 फीट ऊंचाई और पांच टन के वजन वाले पहले इलेक्ट्रॉनिक कैलकुलेटर का निर्माण हुआ।

1946– ब्रिटेन ने पहली बार सिक्के पर एक अश्वेत की तस्वीर उकेरने को मंजूरी दी।

1947– मुंबई नगर निगम को बिजली और परिवहन व्यस्था औपचारिक रूप से हस्तांतरित हुई।

1947– मोहम्मद अली जिन्ना पाकिस्तान रवाना।

1957– अमेरिका ने नेवादा परीक्षण स्थल पर परमाणु परीक्षण किया।

1972– युगांडा के नेता इदी अमीन ने एशियाई मूल के लोगों को 90 दिन के भीतर देश छोड़कर चले जाने का आदेश दिया।

1990 – अमेरिका ने सऊदी अरब में सेना तैनात कर ऑपरेशन डेजर्ट शील्ड की शुरुआत की।

1991– ईरान के पूर्व प्रधानमंत्री शापोर बख्तियार की हत्या कर दी गई।

1994– इजराइल और जॉर्डन के बीच पहली टेलीफोन सेवा शुरू हुई।

1996– अमेरिकी वैज्ञानिकों द्वारा 13 हजार वर्ष पूर्व पृथ्वी पर गिरे उल्का पिंड के अवशेषों से मंगल ग्रह पर एक कोशिका वाले जीवों के होने की संभावना का पता चला।

रक्षा संसदीय सलाहकार समिति की बैठक में 'प्रादेशिक सेना' पर चर्चा, कई अहम सुझाव दिए गए

नई दिल्ली, 06 अगस्त (हि.स.)।

रक्षा मंत्रालय के लिए संसदीय सलाहकार समिति की गुरुवार को नई दिल्ली में हुई बैठक में 'प्रादेशिक सेना' पर चर्चा केंद्रित रही। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में बैठक के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने समिति के सदस्यों को प्रादेशिक सेना के अधिदेश, भूमिका और प्रमुख उपलब्धियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। समिति के सदस्यों ने बल को और सुदृढ़ करने और इसकी समग्र प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए।

रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि रक्षा बलों की भूमिका मुख्य रूप से सुरक्षा संबंधी पहलुओं के इर्द–गिर्द घूमती है। प्रादेशिक सेना पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक कार्यों जैसे अन्य क्षेत्रों में भी योगदान देती है। उन्होंने कहा कि प्रादेशिक सेना 'नागरिक–सैनिक' अवधारणा का जीता–जागता उदाहरण है। इसके सदस्य असैन्य कार्यों में संलग्न रहते हुए भी सीमाओं की रक्षा और आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने के लिए वर्दी पहनते हैं। श्री राजनाथ सिंह ने बल देकर कहा कि प्रादेशिक सेना प्रशिक्षित सैनिकों का एक आरक्षित भंडार बनाकर रक्षा बलों की क्षमता बढ़ाती है, जिन्हें आवश्यकता पड़ने पर शीघ्र तैनात किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जब कर्मी अपना कार्यकाल पूरा करके नागरिक जीवन में लौटते हैं तो वे समाज और सेना के बीच जीवंत सेतु का काम करते हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रादेशिक सेना प्रशिक्षित, प्रेरित और सशक्त बल है, जिसमें लगभग 44,400 कर्मी और 59 विविध इकाइयां शामिल हैं। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान तत्काल राहत और सहायता प्रदान करने में यह बल सबसे अग्रिम भूमिका निभाता है। उन्होंने केरल में आई बाढ़, ओडिशा के चक्रवात और हाल ही में असम में आई बाढ़ के दौरान राहत एवं बचाव कार्य करने और जरूरतमंदों को चिकित्सा सहायता प्रदान करने में उनकी भूमिका की सराहना की। श्री राजनाथ सिंह ने पर्यावरण प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन शमन में उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा कि प्रादेशिक सेना के पारिस्थितिक कार्य बलों ने अब तक लगभग 10 करोड़ पौधे लगाए हैं, जिनमें से 80–85 प्रतिशत पौधे जीवित रहे हैं।

उन्होंने जम्मू–कश्मीर में तैनात प्रादेशिक सेना द्वारा 'हर घर तिरंगा' अभियान को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के प्रयासों की भी प्रशंसा की। बैठक में 'नागरिक–सैनिक' कॉन्सेप्ट को मूर्त रूप देने, राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने, आपदा प्रतिक्रिया, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र–निर्माण के रूप में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया। कमेटी को टेरिटोरियल आर्मी की उपलब्धियों और भविष्य के रोडमैप के बारे में जानकारी दी गई, जिसमें सदस्यों ने देश की सेवा में इसकी प्रभावशीलता को और बढ़ाने के लिए कीमती सुझाव दिए।

2035 तक बनेगा भारत का अंतरिक्ष स्टेशन, 2027 में लॉन्च होगा पहला मानव मिशन 'गगनयान'

नई दिल्ली, 06 अगस्त।

केंद्रीय विज्ञान एवं अंतरिक्ष मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने संसद को बताया कि भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) को वर्ष 2035 तक संचालन में लाने का लक्ष्य है। इसरो ने पांच मॉड्यूल वाले भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की समग्र संरचना तैयार कर ली है। सरकार ने बीएएस–01 के पहले मॉड्यूल के विकास और प्रक्षेपण को मंजूरी दे दी है। बीएएस–01 की सिस्टम इंजीनियरिंग तथा विभिन्न उप–प्रणालियों की तकनीकी विकास गतिविधियां इसरो के विभिन्न केंद्रों और इकाइयों में जारी हैं।

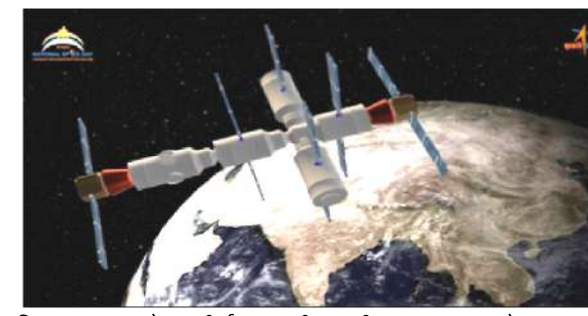

जितेंद्र सिंह ने बुधवार को लोकसभा में एक लिखित उत्तर में जानकारी देते हुए कहा कि व्योममित्र हाफ–ह्यूमनॉइड सहित पहली बार विकसित की जा रही विभिन्न तकनीकों को मान्य करने के लिए पहला मानव रहित प्रायोगिक मिशन 2026 की चौथी तिमाही में लक्षित है। इसके बाद पहले मानवयुक्त मिशन जैसी संरचना वाले दो और मानवरहित मिशन तथा पहला मानवयुक्त गगनयान मिशन वर्ष 2027 तक भेजने का लक्ष्य रखा गया है।

अंतरिक्ष विभाग के अनुसार, गगनयान मिशन के अंतर्गत मानव अंतरिक्ष उड़ान के लिए आवश्यक मानकों को प्रमाणित करने वाली विकास गतिविधियों में निम्नलिखित शामिल हैं– सभी प्रोपल्शन चरणों और संरचनाओं का विकास तथा जमीनी परीक्षण पूरा हो चुका है। क्रू मॉड्यूल और सर्विस मॉड्यूल की प्रोपल्शन प्रणालियों का विकास, परीक्षण और प्रमाणीकरण पूरा हो चुका है। पर्यावरण नियंत्रण एवं जीवन रक्षक प्रणाली (ईसीएलएसएस) का इंजीनियरिंग मॉडल तैयार किया गया है। अवरोहण प्रणाली, क्रू मॉड्यूल को सीधा रखने वाली प्रणाली, ताप सुरक्षा प्रणाली और एंड–टू–एंड एवियोनिक्स का विकास और परीक्षण भी पूरा हो चुका है।

पांच प्रकार की मोटर विकसित कर उनका स्थैतिक परीक्षण किया गया है। सीईएस की सभी संरचनाएं तैयार कर प्रमाणित की जा चुकी हैं। ऑर्बिटल मॉड्यूल तैयारी सुविधा, गगनयान नियंत्रण केंद्र, गगनयान नियंत्रण सुविधा, अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण केंद्र तथा दूसरे प्रक्षेपण परिसर में आवश्यक संशोधन पूरे किए जा चुके हैं।

उड़ान के दौरान क्रू एस्केप सिस्टम के सत्यापन के लिए पहला टेस्ट व्हीकल मिशन टीवी–डी1 सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। अवरोहण प्रणाली के परीक्षण के लिए इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप टेस्ट–01 (आईएडीटी–01) और आईएडीटी–02 भी सफलतापूर्वक पूरे किए गए हैं। टीवी–डी2 मिशन की तैयारियां जारी हैं। ग्राउंड नेटवर्क का कॉन्फिगरेशन अंतिम रूप दिया जा चुका है। आईडीआरएसएस–1 फीडर स्टेशन और स्थलीय संचार लिंक स्थापित किए जा चुके हैं। अन्य अंतरिक्ष एजेंसियों के साथ सहयोग के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। रिकवरी संसाधनों को अंतिम रूप दे दिया गया है और रिकवरी योजना तैयार कर ली गई है।

इसके साथ ही गगनयान के लिए विकसित नई प्रणालियों के प्रदर्शन हेतु विभिन्न जमीनी योग्यता परीक्षण भी जारी हैं। मंत्रिमंडल ने सितंबर 2024 में 8 मिशनों को पूरा करने के लिए 20,193 करोड़ रुपये के बजटीय आवंटन को मंजूरी दी थी।

सांस्कृतिक विरासतों को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए पर्यटन मंत्रालय और नेटफ्लिक्स के बीच साझेदारी

नई दिल्ली, 06 अगस्त (हि.स.)।

देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, विविध परिदृश्य तथा पर्यटन स्थलों को वैश्विक पटल पर उभारने के लिए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय और नेटफ्लिक्स के बीच रणनीतिक साझेदारी हुई है। भारत में नेटफ्लिक्स के एक दशक पूरे होने के उपलक्ष्य में बुधवार को नई दिल्ली स्थित नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट (एनजीएमए) में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत और नेटफ्लिक्स के सह–मुख्य कार्यकारी अधिकारी टेड सारंडोस के बीच बातचीत हुई। इस परिचर्चा में इस बात पर मंथन किया गया कि कैसे कहानियों के माध्यम से लोगों को यात्रा के लिए प्रेरित किया जा सकता है और भारत की वैश्विक सॉफ्ट पावर को मजबूत बनाया जा सकता है।

श्री शेखावत ने सिनेमा की भूमिका पर जोर देते हुए कहा, सिनेमा मनोरंजन से कहीं अधिक है यह संस्कृति, विरासत और पर्यटन को जोड़ने वाला एक सेतु है। प्रत्येक भारतीय कहानी में दुनिया के किसी न किसी कोने में बैठे व्यक्ति को भारत आने के लिए प्रेरित करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि अतुल्य भारत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 'ऐज सीन ऑन नेटफ्लिक्स' का एकीकरण भारत की सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करने और देश की सॉफ्ट पावर को बढ़ाने की दिशा में एक साझा कदम है।

इस ऐतिहासिक साझेदारी के तहत पर्यटन मंत्रालय ने अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 'ऐज सीन ऑन नेटफ्लिक्स' फीचर को शामिल किया है। इसके जरिए दुनिया भर के यात्री भारत के उन खूबसूरत स्थानों, त्योहारों, वन्यजीवों और ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे जिन्हें नेटफ्लिक्स की लोकप्रिय फिल्मों और सीरीज में दिखाया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य दर्शकों के ऑन–स्क्रीन अनुभव को असल जिंदगी की यात्रा में बदलना है।

कार्यक्रम में मौजूद पर्यटन सचिव भुवनेश कुमार ने कहा कि क्रिएटिव इंडस्ट्री और सरकार के बीच इस तरह की रणनीतिक साझेदारी से स्थलों की खोज और अनुभव के तरीकों में बड़ा बदलाव आ रहा है। प्रामाणिक कहानियां न केवल टिकाऊ पर्यटन को बढ़ावा देती हैं, बल्कि स्थानीय समुदायों के लिए आर्थिक अवसर भी पैदा करती हैं।

इस अवसर पर पर्यटन मंत्रालय और नेटफ्लिक्स की ओर से संयुक्त रूप से निर्मित दो विशेष फिल्में भी प्रदर्शित की गईं। पहली फिल्म भारत की असाधारण जैव विविधता और वन्यजीव पर्यटन अनुभवों पर केंद्रित रही जबकि दूसरी फिल्म देश की समृद्ध और जीवंत सांस्कृतिक विरासत को समर्पित थी।

आज मनाया जाएगा 12वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस

नई दिल्ली, 06 अगस्त।

वस्त्र मंत्रालय 7 अगस्त, 2026 को राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र (आरबीसीसी), नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय समारोह के साथ 12वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाएगा। इस समारोह का उद्देश्य भारत की समृद्ध हथकरघा विरासत का उत्सव मनाना और राष्ट्र के सांस्कृतिक व आर्थिक विकास में हथकरघा बुनकर समुदाय के योगदान को मान्यता देना है। इस अवसर पर भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि होंगी।

समारोह में केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह, केंद्रीय वस्त्र राज्य मंत्री श्री पबित्र मार्गेरिटा, श्रीमती नीलम शमी राव, सचिव (वस्त्र) और डॉ. एम. बीना, विकास आयुक्त (हथकरघा) भी शामिल होंगे। साथ ही संत कबीर हथकरघा पुरस्कार विजेता और राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार विजेता व उनके परिवार के सदस्य, देश भर के हथकरघा बुनकर, पुरस्कार चयन समिति के सदस्य, हथकरघा क्षेत्र से जुड़े प्रतिष्ठित व्यक्ति, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, मीडिया प्रतिनिधि और अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहेंगे।

समारोह का एक प्रमुख आकर्षण वर्ष 2025 के संत कबीर हथकरघा पुरस्कार और राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कारों का वितरण होगा। कुल 22 पुरस्कार–3 संत कबीर हथकरघा पुरस्कार और 19 राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार–उत्कृष्ट शिल्प कौशल, नवाचार और भारत की हथकरघा परंपराओं के संरक्षण में योगदान देने वाले उत्कृष्ट हथकरघा बुनकरों को प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर पर भारत की समृद्ध और विविध हथकरघा बुनाई परंपराओं का उत्सव मनाने वाले चार स्मारक डाक टिकट भी जारी किए जाएंगे।

समारोह के दौरान दो प्रकाशनों–अर्थ. रूट. थ्रेड आल डायड हैंडलूम टैक्सटाइल्स ऑफ सेंट्रल इंडिया और हथकरघा पुरस्कार पुस्तक 2025 का भी विमोचन किया जाएगा। पुरस्कार विजेता हथकरघा उत्पादों की प्रदर्शनी के साथ आगंतुकों को पारंपरिक कानी विविंग और वॉल हैंगिंग विविंग का प्रत्यक्ष प्रदर्शन देखने का अवसर भी मिलेगा। मुख्य समारोह के अलावा राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के आसपास प्रदर्शनियां और सम्मेलन (डिजाइनर, आईआईएचटी) आदि भी आयोजित होने हैं।

भारत का हथकरघा क्षेत्र देश में स्थायी ग्रामीण रोजगार के सबसे बड़े माध्यमों में से एक है और इससे 35 लाख से अधिक लोगों को आजीविका मिलती है, जिनमें 70 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं। यह क्षेत्र भारत की समृद्ध वस्त्र परंपराओं का संरक्षक और पर्यावरण के अनुकूल उत्पादन पद्धतियों में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता भी है। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस प्रतिवर्ष 7 अगस्त को मनाया जाता है, जो 7 अगस्त 1905 को शुरू हुए स्वदेशी आंदोलन की स्मृति में है–उस आंदोलन ने स्वदेशी उद्योगों और हथकरघा क्षेत्र को नई गति दी। 2015 में अपनी स्थापना के बाद से यह दिवस हथकरघा बुनकरों की कलात्मकता, कौशल और समर्पण का उत्सव मनाने के साथ–साथ क्षेत्र के संरक्षण, संवर्धन और सतत विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को भी दोहराता है।

रवीन्द्रनाथ टैगोर की पुण्यतिथि आजः जानें कुछ रोचक तथ्य

1. रवीन्द्रनाथ ठाकुर कवि, दार्शनिक, चित्रकार जैसी कई कलाओं का संगम थे। टैगोर सिर्फ महान रचनाधर्मी ही नहीं थे, बल्कि वो पहले ऐसे इंसान थे जिन्होंने पूर्वी और पश्चिमी दुनिया के मध्य सेतु बनने का कार्य किया था।

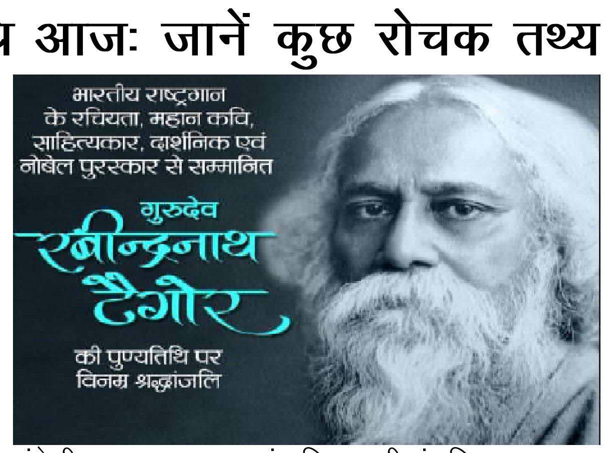

2. रवीन्द्रनाथ टैगोर एक कवि, उपन्यासकार, नाटककार, चित्रकार, और दार्शनिक थे। वह गुरुदेव के नाम से लोकप्रिय थे।
3. रवींद्रनाथ टैगोर या रवीन्द्रनाथ ठाकुर का जन्म 7 मई सन् 1861 को कोलकाता में हुआ था। उनके पिता का नाम देवेंद्रनाथ टैगोर और माता का नाम शारदा देवी था।
4. रवीन्द्रनाथ अपने माता–पिता की तेरहवीं संतान थे।
5. बचपन में उन्हें प्यार से रबी बुलाया जाता था। उन्हें बचपन से ही कविताएं और कहानियां लिखने का शौक था। आठ वर्ष की उम्र में उन्होंने अपनी पहली कविता लिखी, सोलह साल की उम्र में उन्होंने कहानियां और नाटक लिखना प्रारंभ कर दिया था।
6. उनकी स्कूल की पढ़ाई प्रतिष्ठित सेंट जेवियर स्कूल में हुई। टैगोर ने बैरिस्टर बनने की चाहत में 1878 में इंग्लैंड के ब्रिजटोन पब्लिक स्कूल में नाम दर्ज कराया। उन्होंने लंदन कॉलेज विश्वविद्यालय में कानून का अध्ययन किया लेकिन 1880 में बिना डिग्री हासिल किए ही वापस आ गए।
7. 1883 में उनका विवाह मृणालिनी देवी के साथ हुआ। उस समय मृणालिनी देवी सिर्फ 10 वर्ष की थी।
8. अपने जीवन में उन्होंने एक हजार कविताएं, आठ उपन्यास, आठ कहानी संग्रह और विभिन्न विषयों पर अनेक लेख लिखे। इतना ही नहीं रवीन्द्रनाथ टैगोर संगीतप्रेमी थे और उन्होंने अपने जीवन में 2000 से अधिक गीतों की रचना की।
9. रवीन्द्रनाथ टैगोर के लिखे दो गीत आज भारत और बांग्लादेश के राष्ट्रगान हैं। जन–गण–मन और आमार शोनार बांग्ला जन–जन की धड़कन बने हुए हैं। उन्होंने न सिर्फ भारत बल्कि बांग्लादेश और श्रीलंका के लिए भी राष्ट्रगान लिखे।
10. सन् 1901 में टैगोर ने पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्र में स्थित शांति निकेतन में एक प्रयोगिक विद्यालय की स्थापना की। उन्होंने गुरु–शिष्य परंपरा को नया आयाम दिया। जहां उन्होंने भारत और पश्चिमी परंपराओं के सर्वश्रेष्ठ को मिलाने का प्रयास किया। वह विद्यालय में ही स्थायी रूप से रहने लगे और 1921 में यह विश्व भारती विश्वविद्यालय बन गया।
11. जीवन के 51 वर्षों तक उनकी सारी उपलब्धियां और सफलताएं केवल कोलकाता और उसके आसपास के क्षेत्र तक ही सीमित रही। 51 वर्ष की उम्र में वे अपने बेटे के साथ इंग्लैंड जा रहे थे। समुद्री मार्ग से भारत से इंग्लैंड जाते समय उन्होंने अपने कविता संग्रह गीतांजलि का अंग्रेजी अनुवाद करना प्रारंभ किया। गीतांजलि का अनुवाद करने के पीछे उनका कोई उद्देश्य नहीं था केवल समय काटने के लिए कुछ करने की गरज से उन्होंने गीतांजलि का अनुवाद करना प्रारंभ किया। उन्होंने एक नोटबुक में अपने हाथ से गीतांजलि का अंग्रेजी अनुवाद किया।
12. लंदन में जहाज से उतरते समय उनका पुत्र उस सूटकेस को ही भूल गया जिसमें वह नोटबुक रखी थी। इस ऐतिहासिक कृति की नियति में किसी बंद सूटकेस में लुप्त होना नहीं लिखा था। वह सूटकेस जिस व्यक्ति को मिला उसने स्वयं उस सूटकेस को रवीन्द्रनाथ टैगोर तक अगले ही दिन पहुंचा दिया।
13. लंदन में टैगोर के अंग्रेज मित्र चित्रकार रोथेंस्टिन को जब यह पता चला कि गीतांजलि को स्वयं रवीन्द्रनाथ टैगोर ने अनुवादित किया है तो उन्होंने उसे पढ़ने की इच्छा जाहिर की। गीतांजलि पढ़ने के बाद रोथेंस्टिन उस पर मुग्ध हो गए।
14. उन्होंने अपने मित्र डब्ल्यू.बी. यीट्स को गीतांजलि के बारे में बताया और वहीं नोटबुक उन्हें भी पढ़ने के लिए दी। इसके बाद जो हुआ वह इतिहास है। यीट्स ने स्वयं गीतांजलि के अंग्रेजी के मूल संस्करण का प्रस्तावना लिखा।
15. सितंबर सन् 1912 में गीतांजलि के अंग्रेजी अनुवाद की कुछ सीमित प्रतियां इंडिया सोसायटी के सहयोग से प्रकाशित की गई। लंदन के साहित्यिक गलियारों में इस किताब की खूब सराहना हुई। जल्द ही गीतांजलि के शब्द माधुर्य ने संपूर्ण विश्व को सम्मोहित कर लिया।
17. उन्हें साहित्य के नोबल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था किंतु इससे पूर्व सन 1915 में अंग्रेज शासन ने उन्हें नाइटहुड की उपाधि से अलंकृत किया। रवीन्द्रनाथ उन दिनों जलियांवाला बाग की दर्दनाक घटना से व्यथित थे। फलस्वरूप उपाधि उन्होंने लौटा दी।
18. रवीन्द्रनाथ टैगोर एशिया के प्रथम व्यक्ति थे, जिन्हें नोबल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

राष्ट्रीय भाला फेक दिवसः टोक्यो 2020 ओलंपिक में नीरज चोपड़ा की स्वर्णिम विरासत का जश्न

नई दिल्ली, 06 अगस्त।

भारत में 7 अगस्त को राष्ट्रीय भाला दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एथलेटिक्स फेडरेशन) ने टोक्यो ओलंपिक में नीरज चोपड़ा के ऐतिहासिक स्वर्ण पदक की याद में 7 अगस्त को राष्ट्रीय भाला दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया।

7 अगस्त 2021 को, चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक के पुरुषों के भाला फेंक फाइनल में 87.58 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता था। चोपड़ा ने इतिहास रच दिया क्योंकि यह ओलंपिक में ट्रैक एंड फील्ड स्पर्धाओं में भारत का पहला स्वर्ण पदक था। टोक्यो में स्वर्ण पदक के साथ, चोपड़ा अभिनव बिंद्रा के 2008 बीजिंग ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद भारत के दूसरे व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता भी बन गए।

"नीरज की इस उपलब्धि का जश्न मनाने के साथ–साथ, एएफआई इस पहल के माध्यम से जमीनी स्तर पर इस खेल को बढ़ावा भी देगा," एएफआई अध्यक्ष आदिल जे. सुमारीवाला ने 7 अगस्त को राष्ट्रीय भाला फेंक दिवस घोषित करते हुए कहा था।

स्वर्ण पदक जीतने के बाद से 25 वर्षीय चोपड़ा ने पिछले साल दो और ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कीं। जुलाई 2022 में चोपड़ा 88.13 मीटर के थ्रो के साथ विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बने। इसके बाद चोपड़ा ने ज्यूरिख में डायमंड लीग फाइनल में 89.09 मीटर के थ्रो के साथ जीत हासिल करके प्रतिष्ठित डायमंड लीग जीतने वाले पहले भारतीय बनकर 2022 का समापन किया।

28 अगस्त से विमेंस एशिया कप की शुरुआत, इस दिन खेला जाएगा भारत–पाकिस्तान के बीच 'हाईवोल्टेज मैच'

नई दिल्ली, 6 अगस्त (आईएएनएस)।

एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) ने गुरुवार को विमेंस एशिया कप 2026 के शेड्यूल का ऐलान किया है, जिसकी शुरुआत 28 अगस्त से होगी। भारत और पाकिस्तान को विमेंस एशिया कप 2026 के ग्रुप–ए में रखा गया है। दोनों टीमें 5 सितंबर को 'हाई–वोल्टेज मैच' में आमने–सामने होंगी। यह विमेंस एशिया कप का छठा संस्करण होगा जो टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा, जिसमें 8 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया है। 'ग्रुप–ए' में भारत और पाकिस्तान के साथ थाईलैंड और हांगकांग (चीन) शामिल हैं, जबकि 'ग्रुप–बी' में श्रीलंका, बांग्लादेश, यूएई और इंडोनेशिया को रखा गया है।

प्रत्येक ग्रुप की शीर्ष–2 टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी, जिसका खिताबी मैच 13 सितंबर को आयोजित होगा। सभी मैच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में फ्लडलाइट्स में खेले जाएंगे। उल्लेखनीय है कि विमेंस एशिया कप की शुरुआत साल 2004 में हुई थी। शुरुआती 4 संस्करण वनडे फॉर्मेट में खेले गए, जिन्हें भारत ने अपने नाम किया। इसके बाद साल 2012 से अब तक इस प्रतियोगिता को टी20 फॉर्मेट में खेला गया है। साल 2012 और 2016 में भारत ने पाकिस्तान को मात देकर खिताब अपने नाम किया था, जिसके बाद साल 2018 का खिताब बांग्लादेश ने भारत को मात देकर जीता था।

साल 2022 में भारत ने श्रीलंका के खिलाफ 8 विकेट से जीत हासिल करते हुए सातवीं बार विमेंस एशिया कप ट्रॉफी जीती। साल 2024 में दोनों टीमें एक बार फिर आमने–सामने थीं, लेकिन इस बार श्रीलंका ने 8 विकेट से जीत दर्ज करते हुए अपना पहला खिताब जीता।